J. C. Bose University of Science and Technology, YMCA, Faridabad

(formerly YMCA University of Science and Technology)

A State Govt. University established wide State Legislative Act. No. 21 of 2009

SECTOR-6, FARIDABAD, HARYANA-121006

Ph. 129-2310127 | email:proymcaust@gmail.com | web: www.jcboseust.ac.in

GOLDEN JUBILEE YEAR
(1969-2019)

NEWS CLIPPING: 16.01.2020

THE TRIBUNE

JC BOSE VARSITY GETS INTERACTIVE BOARDS

Faridabad: The JC Bose University of Science and Technology, YMCA, Faridabad, has introduced digital interactive boards in classrooms to make the learning-teaching process more interactive. The university has set-up 13 digital classrooms equipped with interactive boards in various departments. "The university is the first in the state to introduce digital interactive boards," said a spokesperson. Vice-Chancellor Dinesh Kumar inaugurated the digital classrooms equipped with LED IR touch boards and said a training-cum-demonstration session on the use of these digital interactive boards was also conducted. These boards have been provided by the National Project Implementation Unit under the Ministry of Human Resource Development.

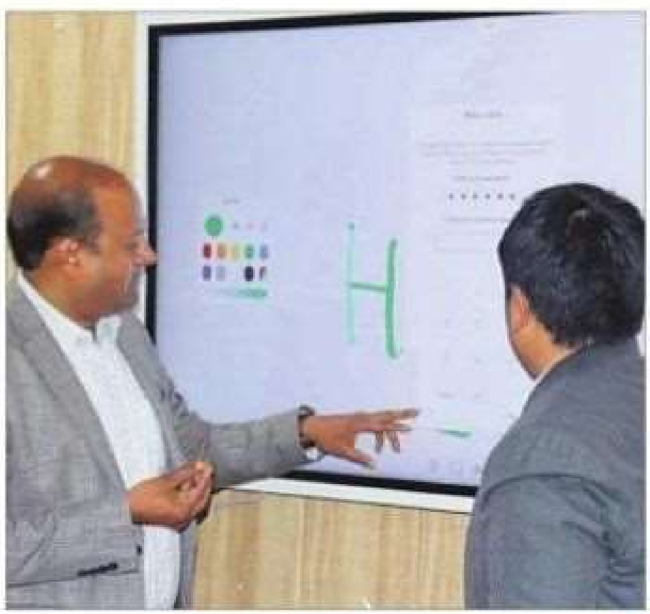

The Tribune Thu, 16 January 2020
https://epaper.tribune

NEWS CLIPPING: 16.01.2020

NAVBHARAT TIMES

जेसी बोस यूनिवर्सिटी में बने 13 डिजिटल क्लास रूम

एनबीटी न्यूज, फरीदाबाद : जेसी बोस (वाईसीएम) यूनिवर्सिटी ने अपने 13 क्लास रूम को डिजिटल कर दिया है। शिक्षण प्रक्रिया को और अधिक संवादात्मक बनाने के लिए क्लासो में डिजिटल इंटरेक्टिव बोर्ड लगाए गए हैं। यूनिवर्सिटी के कुलपति प्रोफेसर दिनेश कुमार ने बुधवार को इसका शुभारंभ किया।

यूनिवर्सिटी प्रबंधन का दावा है कि क्लासों में डिजिटल इंटरेक्टिव बोर्ड लगाने की पहल करने वाली जेसी बोस प्रदेश की पहली यूनिवर्सिटी बन गई है। यूनिवर्सिटी में डिजिटल इंटरेक्टिव बोर्ड के सही उपयोग को लेकर एक प्रशिक्षण सत्र का भी आयोजन किया गया। कुलपति दिनेश कुमार के अुनसार, यह बोर्ड मानव संसाधन विकास मंत्रालय की राष्ट्रीय

परियोजना कार्यान्वयन इकाई ने टीईक्यूआईपी प्रतिभागी संस्थानों को प्रदान किए हैं। कुलपति ने यूनिवर्सिटी की इस पहल पर खुशी जाहिर की और अध्यापाकों व छात्रों से इस तकनीक का श्रेष्ठतम उपयोग करने का आग्रह किया। इस मौके पर टीईक्यूआईपी निदेशक प्रोफेसर विक्रम सिंह, यूनिवर्सिटी के कुलसचिव एसके गर्ग, डिजिटल इंडिया की नोडल अधिकारी डॉ नीलम दूहन आदि मौजूद थे।

J. C. Bose University of Science and Technology, YMCA, Faridabad
(formerly YMCA University of Science and Technology)
A State Govt. University established wide State Legislative Act. No. 21 of 2009
SECTOR-6, FARIDABAD, HARYANA-121006
Ph. 129-2310127 | email:proymcaust@gmail.com | web: www.jcboseust.ac.in

GOLDEN JUBILEE YEAR
(1969-2019)

NEWS CLIPPING: 16.01.2020

PUNJBA KESARI

जेसी बोस विश्वविद्यालय में व्हाइटबोर्ड की जगह ले रहे है डिजिटल इंटरएक्टिव बोर्ड

डिजिटल इंटरएक्टिव बोर्ड के उपयोग को बढ़ावा देने वाला राज्य का पहला विश्वविद्यालय

फरीदाबाद, 15 जनवरी (सूरजमल): डिजिटलाइजेशन के युग में डिजिटल क्लासरूम की अवधारणा आधुनिक शिक्षा प्रणाली को तेजी से बदल रही है। इसी कड़ी में जेसी बोस विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय वाईएमसीए, फरीदाबाद ने शिक्षण प्रक्रिया को और अधिक संवादात्मक बनाने के लिए डिजिटल इंटरएक्टिव बोर्ड के माध्यम से डिजिटल क्लासरूम विकसित करने की पहल की है। विश्वविद्यालय द्वारा विभिन्न विभागों में डिजिटल इंटरएक्टिव बोर्ड युक्त 13 डिजिटल क्लासरूम स्थापित किए हैं जो शिक्षण के लिए इस्तेमाल किए जा रहे पारंपरिक व्हाइटबोर्ड की जगह लेंगे। इस प्रकार, विश्वविद्यालय डिजिटलीकरण को बढ़ावा देते हुए कक्षाओं में डिजिटल इंटरैक्टिव बोर्ड की पहल करने वाले राज्य में पहला विश्वविद्यालय बन गया है।

कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने एलईडी आईआर टप डिजिटल इंटरएक्टिव बोर्ड युक्त डिजिटल कक्षाओं का शुभारंभ किया। इस अवसर पर कुलसचिव डॉ. एस.के. गर्ग के अलावा सभी डीन,

कुलपति प्रो. दिनेश कुमार प्रशिक्षण सत्र में डिजिटल इंटरएक्टिव बोर्ड की जानकारी लेते हुए।

विभागाध्यक्ष और विश्वविद्यालय के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। डिजिटल इंटरैक्टिव बोर्ड के सही उपयोग को लेकर एक प्रशिक्षण सत्र का आयोजन भी किया गया। ये डिजिटल इंटरएक्टिव बोर्ड मानव संसाधन विकास मंत्रालय की राष्ट्रीय परियोजना कार्यान्वयन इकाई (एनपीआईयू) द्वारा टीईक्यूआईपी प्रतिभागी संस्थानों को प्रदान किए गए हैं। तकनीकी शिक्षा में डिजिटलीकरण के माध्यम से से मिश्रित शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए एनपीआईयू देश के टीईक्यूआईपी के दूसरे व तीसरे चरण के प्रतिभागी संस्थानों को सुविधाएं प्रदान कर रहा है। विश्वविद्यालय के डिजिटल इंडिया प्रकोष्ठ द्वारा एनपीआईयू के माध्यम से डिजिटल क्लासरूम विकसित करने की पहल की गई है। जेसी बोस विश्वविद्यालय एकमात्र राज्य विश्वविद्यालय है जिसने एनबीए मान्यता तथा डिजिटल पहल के आधार पर एनपीआईयू के पूर्वनिर्धारित मानदंडों को पूरा करते हुए सुविधा का लाभ उठाया। कुलपति प्रो दिनेश कुमार ने विश्वविद्यालय द्वारा की गई पहल पर प्रसन्नता व्यक्त की और शैक्षणिक सदस्यों से सुविधा का श्रेष्ठतम उपयोग करने का आग्रह किया। इस अवसर पर बोलते हुए, उन्होंने कहा कि डिजिटल क्लासरूम शैक्षिक क्षेत्र में एक क्रांति बदलाव हैं। आधुनिक प्रौद्योगिकी के उपयोग से विकसित इंटरैक्टिव क्लासरूम विद्यार्थियों को अध्ययन के लिए ऐसा अनुकूलित वातावरण प्रदान कर रहे है जहां वे अध्ययन के विषय को लेकर अपनी सभी प्रकार की शंकाओं का निवारण कर सकते है। टीईक्यूआईपी निदेशक, प्रो. विक्रम सिंह ने बताया कि डिजिटल क्लासरूम के लिए एनपीआईयू द्वारा विश्वविद्यालय को मौजूदा आवंटन से अधिक फंड उपलब्ध करवाया गया है और विश्वविद्यालय हरियाणा राज्य में एकमात्र टीईक्यूआईपी प्रतिभागी संस्थान है, जिसे यह सुविधा प्रदान की गई है इसके अलावा, राज्य में संचालित केंद्रीय पोषित तकनीकी संस्थाओं जैसे एनआईटी कुरूक्षेत्र को प्रदर्शन आधारित मापदंडों पर सुविधा का लाभ मिला है। डिजिटल इंडिया की नोडल अधिकारी डॉ. नीलम दूहन ने कहा कि इस पहल से न केवल विद्यार्थियों का अध्ययन के प्रति नजरिया बदलेगा बल्कि शिक्षकों को मल्टीमीडिया आधारित पाठन सामग्री तैयार करने में भी मदद मिलेगी, जो विद्यार्थियों के लिए अधिक रुचिकर होगी। उसने बताया कि इस दिशा में विश्वविद्यालय ने पहले भी कई डिजिटल पहल की है, जिसमें आनलाइन ओपन लर्निंग के मुक्स पाठ्यक्रम, डिजी-लॉकर्स, राष्ट्रीय शैक्षणिक डिपॉजिटरी (एनएडी) और डिजिटल नोटिस बोर्ड आदि शामिल हैं।

कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने विश्वविद्यालय में 13 डिजिटल क्लासरूम का किया शुभारंभ

पंजाब केसरी ई-पेपर Thu, 16 January 2020
https://epaper.punjabkesari.in/c/48024991

NEWS CLIPPING: 16.01.2020

THE PIONEER

जेसी बोस बना डिजिटल क्लास वाला राज्य का पहला विवि

विवि ने विभिन्न विभागों में डिजिटल इंटरएक्टिव बोर्ड युक्त 13 डिजिटल क्लासरूम स्थापित किए हैं

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

डिजिटलाइजेशन के युग में डिजिटल क्लासरूम की अवधारणा आधुनिक शिक्षा प्रणाली को तेजी से बदल रही है। इसी कड़ी में वाईएमसीए स्थित जेसी बोस विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय ने शिक्षण प्रक्रिया को और अधिक संवादात्मक बनाने के लिए डिजिटल इंटरएक्टिव बोर्ड के माध्यम से डिजिटल क्लासरूम विकसित करने की पहल की है।

विश्वविद्यालय द्वारा विभिन्न विभागों में डिजिटल इंटरएक्टिव बोर्ड युक्त 13 डिजिटल क्लासरूम स्थापित किए हैं, जो शिक्षण के लिए इस्तेमाल किए जा रहे पारंपरिक व्हाइटबोर्ड की जगह लेंगे। इस प्रकार, विश्वविद्यालय डिजिटलीकरण को बढ़ावा देते हुए कक्षाओं में डिजिटल इंटरैक्टिव बोर्ड की पहल करने वाले राज्य में पहला विश्वविद्यालय बन गया है। कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने एलईडी आईआर टप डिजिटल इंटरएक्टिव बोर्ड युक्त डिजिटल कक्षाओं का शुभारंभ किया। इस अवसर पर कुलसचिव डॉ. एसके गर्ग के अलावा सभी डीन, विभागाध्यक्ष और विश्वविद्यालय के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। डिजिटल इंटरैक्टिव बोर्ड के सही उपयोग को लेकर एक प्रशिक्षण सत्र का आयोजन भी किया गया। ये डिजिटल इंटरएक्टिव बोर्ड मानव संसाधन विकास मंत्रालय की राष्ट्रीय परियोजना कार्यान्वयन इकाई (एनपीआईयू) द्वारा टीईक्यूआईपी प्रतिभागी संस्थानों को प्रदान किये गये है। तकनीकी शिक्षा में डिजिटलीकरण के माध्यम से से मिश्रित शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए एनपीआईयू देश के टीईक्यूआईपी के दूसरे व तीसरे चरण के प्रतिभागी संस्थानों को सुविधाएं प्रदान कर रहा है। विश्वविद्यालय के डिजिटल इंडिया प्रकोष्ठ द्वारा एनपीआईयू के माध्यम से डिजिटल क्लासरूम विकसित करने की पहल की गई है। जेसी बोस विश्वविद्यालय एकमात्र राज्य विश्वविद्यालय है। जिसने एनबीए मान्यता तथा डिजिटल पहल के आधार पर एनपीआईयू के पूर्वनिर्धारित मानदंडों को पूरा करते हुए सुविधा का लाभ उठाया। कुलपति प्रो दिनेश कुमार ने विश्वविद्यालय द्वारा की गई पहल पर प्रसन्नता व्यक्त की और शैक्षणिक सदस्यों से सुविधा का श्रेष्ठतम उपयोग करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि डिजिटल क्लासरूम शैक्षिक क्षेत्र में एक क्रांति बदलाव हैं। आधुनिक प्रौद्योगिकी के उपयोग से विकसित इंटरैक्टिव क्लासरूम विद्यार्थियों को अध्ययन के लिए ऐसा अनुकूलित वातावरण प्रदान कर रहे है जहां वे अध्ययन के विषय को लेकर अपनी सभी प्रकार की शंकाओं का निवारण कर सकते है।

डिजिटल इंडिया की नोडल अधिकारी डॉ. नीलम दूहन ने कहा कि इस पहल से न केवल विद्यार्थियों का अध्ययन के प्रति नजरिया बदलेगा बल्कि शिक्षकों को मल्टीमीडिया आधारित पाठन सामग्री तैयार करने में भी मदद मिलेगी, जो विद्यार्थियों के लिए अधिक रुचिकर होगी। उसने बताया कि इस दिशा में विश्वविद्यालय ने पहले भी कई डिजिटल पहल की है, जिसमें आनलाइन ओपन लर्निंग के मुक्स पाठ्यक्रम, डिजी-लॉकर्स, राष्ट्रीय शैक्षणिक डिपॉजिटरी (एनएडी) और डिजिटल नोटिस बोर्ड आदि शामिल हैं।

NEWS CLIPPING: 16.01.2020

DAINIK BHASKAR

जेसी बोस यूनिवर्सिटी में 13 डिजिटल क्लासरूम किए शुरू

भास्कर न्यूज | फरीदाबाद

जेसी बोस विज्ञान और प्रौद्योगिकी यूनिवर्सिटी ने शिक्षण प्रक्रिया को अधिक संवादात्मक बनाने के लिए डिजिटल क्लासरूम विकसित करने की पहल की है। विश्वविद्यालय ने विभिन्न विभागों में डिजिटल इंटरेक्टिव बोर्ड युक्त 13 डिजिटल क्लासरूम स्थापित किए हैं जो शिक्षण के लिए इस्तेमाल किए जा रहे पारंपरिक व्हाइट बोर्ड की जगह लेंगे। डिजिटलीकरण को बढ़ावा देते हुए कक्षाओं में डिजिटल इंटरेक्टिव बोर्ड की पहल करने वाली यह राज्य में पहली यूनिवर्सिटी है। कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने इसका शुभारंभ किया। इस दौरान डिजिटल इंटरेक्टिव बोर्ड के सही उपयोग को लेकर प्रशिक्षण सत्र का भी आयोजन किया गया। ये डिजिटल इंटरेक्टिव बोर्ड मानव संसाधन विकास मंत्रालय की राष्ट्रीय परियोजना कार्यान्वयन इकाई की ओर से टीईक्यूआईपी प्रतिभागी संस्थानों को प्रदान किए गए हैं। तकनीकी शिक्षा में डिजिटलीकरण के माध्यम से मिश्रित शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए एनपीआईयू देश के टीईक्यूआईपी के दूसरे व तीसरे चरण के प्रतिभागी संस्थानों को सुविधाएं प्रदान कर रहा है।

NEWS CLIPPING: 16.01.2020

AMAR UJALA

जेसी बोस विवि में 13 डिजिटल कक्षाएं शुरू

A.U. 16/1/2020

फरीदाबाद। डिजिटलाइजेशन को बढ़ावा देने के लिए डिजिटल कक्षा के प्रारूप को जेसी बोस विश्वविद्यालय में बढ़ावा दिया जा रहा है। बुधवार को विवि की विभिन्न 13 कक्षाओं में ड़िजिटल इंटरएक्टिव बोर्ड युक्त 13 डिजिटल क्लासरूम स्थापित किए गए। इन डिजिटल बोर्ड को पारंपरिक व्हाइटबोर्ड की जगह लगाया गया। विवि कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने कहा कि प्रदेश डिजिटल बोर्ड का इस्तेमाल करने वाला जेसी बोस पहला विवि है। एलईडी आईआर टप डिजिटल इंटरएक्टिव बोर्ड युक्त डिजिटल कक्षाओं बुधवार को शुभ आरंभ किया गया। कुलसचिव डॉ. एसके गर्ग के अलावा सभी डीन, विभागाध्यक्ष और विश्वविद्यालय के वरिष्ठ अधिकारी इस दौरान मौजूद रहे। डिजिटल इंटरैक्टिव बोर्ड के सदुपयोग के लिए प्रशिक्षण सत्र का आयोजन किया गया। प्रो. दिनेश ने बताया कि डिजिटल इंटरएक्टिव बोर्ड मानव संसाधन विकास मंत्रालय(एमएचआरडी) की राष्ट्रीय परियोजना कार्यान्वयन इकाई (एनपीआईयू) की ओर से टीईक्यूआईपी प्रतिभागी संस्थानों को प्रदान किए गए हैं। ब्यूरो